राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 20.00 संख्या 253
शक्तिहीन नागराज

नगीना, नागदंत, नागपाशा, जादूगर शाकूरा जैसे सुपर शक्ति युक्त खलनायक नागराज से टकराए, और नागराज की नागशक्तियों ने उनको मसल कर रख दिया-

लेकिन क्या होगा तब, जब खलनायक तो होगा सुपर शक्ति युक्त लेकिन नागराज के पास कोई भी सर्प शक्ति नहीं होगी! नागराज एक आम इन्सान की ही तरह बन चुका होगा...

शक्तिहीन नागराज

संजय गुप्ता की पेशकश

कथा:	चित्र:	इंकिंग:	सुलेख एवं रंग संयोजन:	सम्पादक:
जॉली सिन्हा.	अनुपम सिन्हा.	विनोद कुमार.	सुनील पाण्डेय.	मनीष गुप्ता.

महानगर का सुरक्षा कवच नागराज है! जिससे टकराकर हर मुसीबत या तो वापस पलट जाती है, या चकनाचूर हो जाती है-
हा हा हा! बहुत मजा आ रहा है! एक बार और गोल-गोल कलाबाजी खाओ न, पायलट अंकल!
अब उतरने का वक्त हो रहा है बच्चों! अभी तो कई और बच्चों को हवाई सैर करानी है!
एक बार और चक्कर कटाओ न, पायलट अंकल!
अब तो तुम लोग चक्कर काटते ही रहोगे!
मेरा नंबर कब आएगा, राज अंकल? आपने तो कहा था कि सारे बच्चे हवाई सैर करेंगे!
करेंगे बेटा! देखो न! प्लेन उतर रहा है! तुम्हारा नंबर आ गया!
क्योंकि तुम हमारे रास्ते में आ रहे हो!
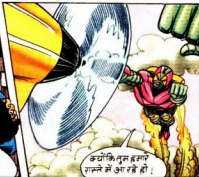
और हमारे रास्ते में आने वाली हर चीज ब्रह्माण्ड में भेज दी जाती है! अनंत काल तक परिक्रमा करने के लिए!
कम ऑन, स्पीस्पयरो गैंग!
नहीं!

सभी की नजरें हवा में ही टंगी थीं-

'राज' की आस्तीनों से नागरस्सी निकल रही थी-

यह अच्छी बात है कि आम रस्सियों के विपरीत सर्प रस्सी देख भी सकती है, और मेरे मानसिक संकेतों पर काम भी कर सकती है!

अब ये सर्प रस्सियां पहले कंट्रोल टॉवर से लिपटेंगी...

... और फिर खुद हवा में उठकर गिरते बच्चों और पायलट को लपेट-कर...

Amaan
मैं नागराज बनकर स्रोस्पयरी गैंग से इस हत्यारी हरकत का कारण जानने निकल पड़ूंगा !
हा हा हा ! अच्छा हुआ कि वह जहाज हमारे रास्ते में आ गया ! हमको अपनी पोशाक की ताकत परखने का मौका मिल गया !
इस पर तो मिसाइलें तक बेअसर हैं ! खतरा सिर्फ नागराज से है और वह हवा में उड़ नहीं सकता !
गलत !
नागराज उड़ सकता है !

चाहे थोड़ी देर के लिए ही सही!
इसको और ऊपर जाना होगा!
ऊपर मेरे विष की तीव्र लहरें तैर रही हैं! जिनको पार करने में तुमको पांच सेकंडों का समय लगेगा!... लेकिन उनमें तुम दो सेकंडों से ज्यादा जिन्दा नहीं रह पाओगे!
आऽऽऽह! अब क्या करें? जल्दी बताओ?
हमारी पोशाक चाहे मिसाइल प्रूफ हो लेकिन नागराज प्रूफ नहीं है!
ओह! इसने ईमारतों के बीच में सांपों के जाल तान रखे हैं! और ये उन पर ही उछल-उछलकर इतनी ऊंचाई तक आ पा रहा है!
इसके बदन को दोनों तरफ से वार करके तोड़ डालो!

आऽऽऽह! यह तो गायब हो गया!
इच्छाधारी शक्ति है ये, गधे!
इसका बदन तोड़ने का आइडिया देने से पहले तू इसकी इस शक्ति के बारे में भूल कैसे गया!
धम्म्म्म
और फिर अपने स्पर्श से नागराज को जलाकर खत्म कर दूंगा!
ईईईईई
मैं हवा में गोल-गोल नाचकर, वायु के घर्षण द्वारा अपने कवच में गर्मी पैदा करूंगा... कवच का तापमान पांच हजार डिग्री तक पहुंच जाएगा!
ओह! इच्छाधारी कणों में बदलना खतरनाक हो सकता है! इतने उच्च तापमान पर मेरे कणों में न जाने क्या गड़बड़ हो जाए!

विष फुंकार भी इससे टकराकर वाष्प में बदलती जा रही है! मेरे सांप तो इससे छूते ही राख हो जाएंगे! ... फिर क्या करूं इसके दहकते स्पर्श से बचने के लिए!
ओ हां! ये चीज काम में आ सकती है!
हा हा हा! अब तू बच-कर कहां जाएगा, नागराज? अब तो तू सिर्फ खत्म होगा!
नागराज तेजी से एक तरफ हटा-
और-
ओssss ओssss! ये तो पानी है! इस दीवार के पीछे पानी की टंकी थी! भाप के कारण मुझे कुछ दिख नहीं रहा है!
लेकिन मैं अपनी सर्प इंद्रिय की मदद से सब देख सकता हूं!

तुझे भी, और तेरे जबड़े को भी!
आssssह!
हम बेवकूफी कर रहे हैं! नागराज से लड़ने में समय खराब कर रहे हैं!
तुम नागराज को रोको! तब तक मैं काम निपटाकर आता हूं!
ओ. के.! तुम जाओ!
ओ! एक एरोस्पयरो मेंबर भाग रहा है! अच्छा ही है! अब मुझे इनसे निपटने में कम समय लगेगा!
तूने हमारी शक्ति को बहुत कम समझा है, नागराज! अब देख कि मैं तेरा क्या हाल करता हूं!
ओह! छल्ले मेरी बांहों को कस रहे हैं! खून का प्रवाह रुक रहा है!
हाथ सुन्न हो रहा है! यानी अब मेरे दिमाग के संकेत मेरे हाथ तक नहीं पहुंच सकते! और बगैर ऐसा हुए सर्प बाहर नहीं आ सकते!
अभी विष फुंकार का प्रयोग करके इसको बेहोश... हप्प!

हम तेरी शक्तियों को अच्छी तरह से जानते हैं, नागराज ! अब न तो तू विष फुंकार छोड़ सकता है, और न ही अपनी सर्प सेना ! ... तेरे हाथ भी पंगु हो गए हैं, ताकि तू दीवारों पर उनको चिपका न सके !
लेकिन मैं इच्छाधारी शक्ति का प्रयोग अभी भी कर सकता हूं !
तू इच्छाधारी शक्ति के बारे में सोच रहा है, न ?
लेकिन हमने उसका तोड़ भी सोच रखा है !
अम्मम्फ़ ! अम्मम्फ़ !
इन छल्लों से करेंट मेरे शरीर में प्रवाहित हो रही है !
मैं इच्छाधारी शक्ति का प्रयोग करने लिए दिमाग केन्द्रित नहीं कर पा रहा हूं !
ये छल्ले मेरे शरीर पर कस गए हैं ! और मेरे हाथों में इनको हटाने लायक शक्ति नहीं है !
मेरी शक्तियों के बारे में कौन इतनी गहराई से जान सकता है कि मुझे इतनी आसानी से इतना बेबस कर सके !
खड़ाक
अब तू बिल्कुल असहाय है नागराज ! एक बच्चे की तरह अब तू अपनी मौत को देखेगा, मगर कुछ कर नहीं पाएगा !

आऽऽऽह! मेरे हाथों में थोड़ी ताकत मौजूद है! अगर ये छल्ले किसी तरीके से जरा सा ढीले हो पाएं तो मैं इनको निकाल फेंकू!
पर ये ढीले होंगे कैसे?
खशाक
हां! एक तरीका है!
अगले ही पल-
ओऽऽऽ तू टंकी में घुसकर करेंट से बचना चाहता है! तू समझता है कि पानी में ये करेंट फैल जाएगा, और तुझे राहत मिल जाएगी! लेकिन टंकी में इतना पानी है ही नहीं! मैं तुझे बचने नहीं दूंगा!
मैं तेरे पीछे-पीछे आकर तुझे संभलने से पहले...
...खत्म कर दूंगा!
आऽऽऽह! यह असंभव है! सांप तो तेरे शरीर से निकल ही नहीं सकते!

मेरी बाजू को कसे हुए तेरे छल्ले धातु के बने थे! और धातु गर्मी पाकर बढ़ती है! इस टंकी के पानी का तापमान अभी भी तेरे दोस्त के कारण इतना अधिक था कि उसने छल्लों को गर्म करके इतना ढीला कर दिया कि मैं इनको निकाल फेंकूं!
...तब तक मैं तेरे दूसरे दोस्त को भी ले आता हूं! फिर लूंगा तुम तीनों से बच्चों की जिन्दगी को खतरे में डालने का हिसाब!
अब तू भी अपने एक दोस्त के साथ इस टंकी में आराम कर...
महानगर की एक गगन चुंबी इमारत में स्थित एक प्राइवेट प्रयोगशाला में
हमारा 'मेमोरी ट्रांसफर यंत्र' जानवरों पर तो कामयाब रहा है! कुत्ता, बिल्ली जैसी हरकतें करने लगा! अब इन्सानों पर प्रयोग करना होगा!
वह मैं कर लूंगा!
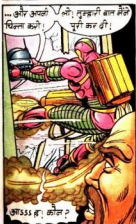
तुम लोगों ने इसका बोझ इतनी देर तक ढोया, उसके लिए धन्यवाद! अब इसको मैं ले जाऊंगा!
ये... ये कौन है? और इसको मेमोरी ट्रांसफर यंत्र के बारे में पता कैसे चला?
उसकी चिन्ता करना छोड़ो...
...और अपनी चिन्ता करो!
लो! तुम्हारी बात मैंने पूरी कर दी!
आऽऽऽह! कौन?
नागराज! तू बच गया! पर तूने मुझे ढूंढा कैसे?
तुम्हारे ऊपर मेरा एक सूक्ष्म जासूस सर्पचिपका हुआ है! उसी ने मुझको तुम्हारा पता बता दिया!
मेरा पता तुझे मिल सकता है, नागराज! लेकिन यह यंत्र तू मुझसे नहीं ले पाएगा!

इसको 'मेमोरी ट्रांसफर गैजेट मत ले जाने देना, नागराज! हालांकि इसका प्रयोग अभी इन्सानों पर नहीं किया गया है, लेकिन थोड़ी सी भी मानसिक शक्ति रखने वाला कोई भी इन्सान इसके जरिए किसी की भी याददाश्त यानी मेमोरी को छीन सकता है!
यह यहां से एक आलपिन तक नहीं ले जा सकता, प्रोफेसर! वैसे भी मैं बगैर यंत्र के इसकी याददाश्त को गुम करने वाला हूं!
जरूर करो! लेकिन 'मेमोरी ट्रांसफर' को गुम मत कर देना!
अब ये कौन है?
ये... ये तो शंकुनाद है! इसमें थोड़ी-बहुत मानसिक शक्तियां हैं! जैसे देखकर चम्मच मोड़ लेना! इससे हमने मेमोरी ट्रांसफर यंत्र का परीक्षण करने के लिए संपर्क किया था!
अब समझ में आया! इसने ही इस अत्यन्त गुप्त आविष्कार की खबर स्नेस्परो गैंग वालों को कर दी होगी!
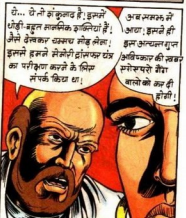
वह डोरियों के सहारे उतरा था! यानी इस वक्त उसको छत पर होना चाहिए!
वह रहा! सर्प सेना इसके पैर जकड़कर इसको रोकेगी!
तेरी सर्प सेना मुझ तक नहीं पहुंच पाएगी नागराज! मेरी मानसिक तरंगें इनको भ्रमित कर देंगी!
तुझसे टकराने की मैंने सोची भी नहीं थी! लेकिन जब एरोस्पेस मेंबर के पीछे तुझे भी इमारत में घुसते देखा, तो मुझे तुझसे टकराने आना ही पड़ा!
शंकुनाद जो काम करने की ठान लेता है उसमें कभी असफल नहीं होता!

असफल तो तू होगा ही होगा, शंकुनाद! क्योंकि तेरा सामना नागराज से है!
सर्पों पर तो तू मानसिक वार कर सकता है, लेकिन विष फुंकार का क्या करेगा?
तुझ पर... आsssह... मानसिक वार... करूंगा! ओssssह! तुझको... फुंकार रोकने के लिए आदेश... दूंगा!
फ्ऊऊऊ
यह सर्पों का नहीं, नागराज का दिमाग है!
इस पर तेरे मामूली वार असर नहीं करेंगे!
आsssह!
तो फिर मुझे मेमोरी ट्रांसफर गैजेट पहनने का खतरा उठाना ही पड़ेगा!
देखूं कि ये इन्सानी दिमाग की याददाश्त को स्थानांतरित कर सकता है या नहीं!
आsssह!

कहानी 19 पेज से

'मेमोरी ट्रांसफर गैजेट' में मेरी मानसिक तरंगों ने ऊर्जा दौड़ा दी है! यानी अब मैं तेरी याददाश्त को खींचने के लिए तैयार हूं!
X-001239.711
HORIZONTAL
Y-99/2342
VERTICAL
OPERATIONAL
MEMORYS TRANSFER ACTIVATED
SEARCH
पहले मेरी याददाश्त तक पहुंच तो ले शंकुनाद!
मैं योग साधना के द्वारा अपने मस्तिष्क को शून्य कर लूंगा! और जब तक तू मेरी याददाश्त तक पहुंचेगा तब तक तेरा दिमाग खुद अंधेरे में गुम हो चुका होगा!
मैं... मैं असफल हो रहा हूं! ऐसा नहीं होगा! ऐसा नहीं होना चाहिए! कुछ करना होगा! नागराज के दिमाग को एक ऐसा झटका देना होगा, जिससे वह शून्य से बाहर आ जाए!
अगले ही पल नागराज के ऊपर पानी का सैलाब उमड़ पड़ा—
और वह 'झटका' मुझे साफ सामने दिख रहा है!
इस झटके ने नागराज के दिमाग को शून्य अवस्था से बाहर ला दिया—

ओफ़ !... एक टंकी ने मुझे बचाया, और दूसरी ने मुझे डुबो दिया !
हा हा हा ! अब मैं तेरे दिमाग में घुसकर तेरी याददाश्त को चुराऊंगा...
...और तू कुछ भी नहीं कर पाएगा !-
आ...ह्ह
आऽऽऽह
सर में भयंकर दर्द हो रहा है !
शकुंनाद, इच्छाधारी शक्ति के उस केन्द्र को छेड़ बैठा था, जो उसमें घुसने की चेष्टा करने वालों को एक भीषण झटका मारता था-

आऽऽऽह! लगता है जैसे सर पर पूरा पहाड़ गिर पड़ा हो! नागराज के दिमाग में घुसा नहीं जा सकता! लेकिन इस वक्त नागराज भी पूरे होशोहवास में नहीं है! यानी भागने का अच्छा मौका है!

और वैसे भी मुझे जिसका इंतजार था, वह आ चुका है! देर से आया, लेकिन आया तो सही!

ओफ्! शंकुनाद, मेमोरी ट्रांसफर यंत्र लेकर भाग रहा है, और मैं उसको रोकने की स्थिति में नहीं हूं!

लेकिन-
आश्चर्य है, नागराज! किसी की जुबान बंद करने का यह तरीका तो मैं पहली बार देख रहा हूं!
कैसा तरीका? क्या ऐसा भी कोई तरीका है, जिसको आप जैसे अनुभवी पुलिस डॉक्टर ने न देखा हो?
आज देख रहा हूं, नागराज!
इनकी पिछली याददाश्त एकदम गायब हो चुकी है! इनको तो यह भी याद नहीं है कि ये कौन हैं, और इस पोशाक में कर क्या रहे हैं?
कहीं ये नाटक तो नहीं कर रहे?
नहीं, नागराज! सारे टेस्ट पॉजिटिव हैं! इनकी याददाश्त सचमुच गायब हो चुकी है!
ओफ्! अब यह कैसे पता चलेगा कि इनको भेजा किसने था, और मेमोरी ट्रांसफर गैजेट इस वक्त कहां पर है?
'गैजेट' यहां पर था-
शाबाश, शंकुनाद! तूने इस यंत्र को मेरे पास लाकर अपने आपको करोड़पति बना लिया है! लेकिन तेरा काम अभी खत्म नहीं हुआ है!
काम तो अभी शुरू हुआ है, मैडम! वह नागराज...

नागराज! नागराज बीच में कहां से आ गया?
बीच में कहां से आया, मिस किलर, यह तो पता नहीं! यह तो भला ही मेरा कि मैं उन स्रोस्परी गैंग वालों के पीछे लगा था, जिसको आपने किराए पर लेकर, अपनी पोशाकें देकर भेजा था!
उनमें से दो को तो नागराज ने पहले ही धूल चटा दी, पर तीसरा लैब तक पहुंचकर गैजेट लेने में कामयाब हो गया!
फिर क्या हुआ?
नागराज लैब तक भी पहुंच गया! लेकिन मैंने वहां पहुंचकर गैजेट को उससे झपट लिया! हम दोनों में भयंकर लड़ाई हुई...
... मैंने 'मेद्रां यंत्र' यानी मेमोरी ट्रांसफर यंत्र पहनकर उसकी मेमोरी चुराने की कोशिश की! लेकिन मुझे एक तेज झटका लगा...

Amaan
हुम! यानी तुम नागराज की याददाश्त चुराने के चक्कर में उसकी इच्छाधारी शक्ति के केन्द्र से जा टकराए थे!
आप... नागराज के बारे में इतना कैसे जानती हैं?
शोध! नागराज की शक्तियों के बारे में मैं कई जगहों से कई जानकारियां हासिल कर चुकी हूं!
लेकिन अब नागराज इस घटनाचक्र में उलझ चुका है! वह हमारा पीछा नहीं छोड़ेगा!
क्यों न नागराज को 'मेट्रां यंत्र' का पहला शिकार बनाया जाए!
ऐसे यंत्र की टेस्टिंग भी हो जाएगी, और नागराज हमारे रास्ते से हट भी जाएगा...
लेकिन उसका दिमाग तो झटका मारता है!
गलत जगह पर हाथ डालोगे तो झटका लगेगा ही! नागराज को उसकी शक्तियों का प्रयोग करने पर मजबूर करो, और शक्ति प्रयोग के दौरान उस खास शक्ति का केन्द्र उसके दिमाग में ढूंढो, और वहां की मेमोरी चुरालो!
ऐसे नागराज के दिमाग में उसकी शक्तियों की कोई मेमोरी रहेगी ही नहीं, और नागराज शक्तिहीन हो जाएगा!
लेकिन जहां नागराज की शक्तियों की मेमोरी ट्रांसफर करेंगे, वहां नागराज की शक्तियां भी ट्रांसफर हो सकती हैं। आखिर उसका दिमाग ही तो शरीर में वे रासायनिक प्रक्रियाएं कराता है, जिसके फलस्वरूप ये विषैली शक्तियां बनती हैं!
हुम! हो सकता है!
और आज तक ऐसा इंसानी जिस्म बना ही नहीं, जो नागराज की शक्तियां रख सके!

नागराज की शक्तियां किसी भी इंसानी शरीर में पहुंचते ही विष बनना शुरू होने से वह शरीर गल जाएगा! और शरीर के खत्म होते ही वे शक्तियां शायद फिर से नागराज के दिमाग में वापस पहुंच जाएंगी!
वह शरीर मैं बनाऊंगी जो नागराज की शक्तियों को रख सके! तुम नागराज की शक्तियां स्थानांतरित करने की तैयारी करो!...
फिर हमारे पास एक नया नागराज होगा! जिसके पास उसकी सारी शक्तियां होंगी!
और वह होगा हमारा गुलाम!
नागराज अभी अंधेरे में ही था -
नहीं, नागराज! 'मेमोरी ट्रांसफर यंत्र' में ऐसी कोई चीज नहीं लगी है, जिससे कि उसकी ... जा सके!
कोई ऐसा तरीका, जिससे यंत्र को किसी की याद-दाश्त खींचने से रोका जा सके!
ओऽऽऽ! मुझे खतरे का आभास हो रहा है! बाहर कोई खतरा है!
नहीं, नागराज! ऐसा कोई तरीका भी नहीं है!

अच्छा! तो ये है वह खतरा, जिसकी चेतावनी मुझको मेरी 'सर्प इंद्रियां' दे रही थीं! ...
कड़ाक

Amaan
ये जो कोई भी है, इसका संबंध उसी शख्स से लगता है, जिसने स्रोस्यरो गैंग और शंकुनाद को भेजा था...
... क्योंकि इसके शरीर पर भी वैसे ही आश्चर्यजनक मशीनी यंत्र फिट हैं, जैसे स्रोस्यरो गैंग के शरीर पर थे, और जैसा एक यंत्र शंकुनाद को उठा ले गया था!
नागराज!
तुम्हारा ही इंतजार था! जरा जल्दी आ जाते तो इतनी कारें नहीं तोड़नी पड़तीं!
अब तू कुछ नहीं तोड़ेगा! अब मैं तोड़ूंगा तेरी हड्डियां! बचना चाहता है तो मुझे बता दे कि तुझको भेजने वाला शख्स कौन है?

मुझे तोड़ने के लिए तुमको मेरे पास पहुंचना पड़ेगा! और इन मशीनी हाथों के रहते सिर्फ तुम्हारी नागशक्तियां ही मेरे पास पहुंच सकती हैं, तुम नहीं!
बड़ी अजीब बात कही इसने!
ऐसा लगा जैसे कि ये मुझको मेरी नाग शक्तियों का प्रयोग करने के लिए उकसा रहा हो! लेकिन उससे तो इसको नुकसान ही हो सकता है! फायदा नहीं!
आऽऽऽह! करेंट!
हा हा हा! नागराज, देखी मक्कड़ाक की शक्ति!
अब छोड़ मुझ पर नाग सेना! छोड़ विष फुंकार! या मर!
...वर्ना मेरा सारा खेल बिगड़ जाएगा!
कर अपनी शक्तियों का इस्तेमाल, नागराज!...

नहीं! मैं नागशक्तियों का प्रयोग नहीं करूंगा! मैं प्रयोग करूंगा अपनी सुपर शारीरिक शक्ति का!
कड़ाक
ले! मैंने उखाड़ फेंका तेरे मशीनी अंग को! अब भी वक्त है! अपने मालिक का नाम बता दे तो बच जाएगा!
तुझे अपनी जिन्दगी से प्यार न सही, लेकिन निर्दोष इंसानों की जिन्दगी से तो है न! अब मैं उनका नुक्सान करूंगा, जो तुझको प्यारे हैं!
बूम

ओफ़! ये अपनी शक्तियों को और घातक बनाकर हमले कर रहा है! अब तो मुझे नागशक्तियों का प्रयोग करना ही पड़ेगा!
हां, हां! अब नागराज के मस्तिष्क में एक बिन्दु चमक उठा है! वह किसी सर्प शक्ति का प्रयोग करने जा रहा है! पर कौनसी?
सर्प रस्सी!
यह शक्ति मुझे खींचती है! खींचती है!
X: 1204.05
Y: 1924.12
POWER SOURCE
SNAKE ROPE
ACTIVATE TRANSFER
नागरस्सी जाकर मशीनी हाथ पर लिपट गई-
और निशाना बदल गया-

❶ ट्रांसफर चालू है ❶❶ ट्रांसफर पूरा हो गया।

मेरी हड्डियां तोड़ रहे हैं। इनसे मैं इच्छाधारी शक्ति का प्रयोग करके बच सकता हूं। लेकिन डर यह है कि कहीं इच्छाधारी शक्ति भी नागरस्सी की तरह लुप्त न हो जाए!
इच्छाधारी शक्ति खोने का खतरा उठाना ठीक नहीं है। पहले दूसरी शक्तियों का सहारा लेना चाहिए!
ओफ़! नागराज दूसरी किसी शक्ति का प्रयोग करने जा रहा है!
लेकिन उस शक्ति को स्थानांतरित करने से पहले मुझे इस शरीर का हाल जानना होगा, जिसमें ये शक्तियां डाली जा रही हैं!
तुम...तुम ठीक तो हो न?
मैं एकदम दुरुस्त हूं!
शाबाश! तैयार रहो! दूसरी शक्ति भी तुम्हारे शरीर में आने वाली है!
EXPLOSIVE SNAKES
X: 1109.125
Y: 2501.32

आऽऽऽह! ध्वंसक सर्प! ये शंकुनाद क्या कर रहा है? इस शक्ति को ट्रांसफर क्यों नहीं करता? क्या मेरे मर जाने का इंतजार कर रहा है?
TRANSFER ACTIVATED
TRANSFER COMPLETE
आऽऽऽह!
अरे! ध्वंसक सर्प भी गायब! साथ ही साथ वरदान स्वरूप मिले नागफनी सर्प भी चले गए हैं! जरूर कुछ गड़बड़ है! अपने जासूस सर्पों से सच्चाई का पता लगवाता हूं!
हा हा हा! मेरा पलड़ा एक बार फिर भारी हो गया है, नागराज!
देख, मेरी नई शक्ति का कमाल!

आऽऽऽह! इसने मुझे जालों में जकड़ दिया है! जाले जमीन में चिपके होने के कारण मैं इस स्थान से भी चिपक सा गया हूं! और तो और, मैं यह भी नहीं देख सकता कि यह मुझ पर किस चीज से वार कर रहा है, जो मेरी हड्डियों को तोड़ देने पर उतारू है!
मैं इन जालों को तोड़ सकता हूं! लेकिन उसके लिए मुझे कुछ पलों की शांति चाहिए! ताकि मैं अपनी ताकत का प्रयोग कर सकूं!

Amaan
शांति पाने का एक ही उपाय है! विष फुंकार! क्योंकि विष फुंकार ऐसा हथियार है, जिसके लिए देखने या निशाना साधने की जरूरत नहीं पड़ती!... ओह! यह क्या? जासूस सर्पों के मानसिक संकेत आ रहे हैं!
जासूस सर्पों के अनुसार वातावरण में मानसिक तरंगें तैर रही हैं!
मेरी शक्तियों के गायब होने और यहां मानसिक तरंगों के मौजूद होने का एक ही अर्थ हो सकता है!...
... शंकुनाद, मेमोरी ट्रांसफर यंत्र के साथ यहां मौजूद है!
यानी मैं... मैं अगर विष फुंकार का प्रयोग करूंगा तो यह शक्ति भी छिन जाएगी!
लेकिन अगर नहीं करूंगा तो जिन्दगी छिन जाएगी!
निर्णय लेना ही होगा! और वह भी बहुत जल्दी!
नागराज को निर्णय लेना ही पड़ा-
फूऊऊऊ
आऽऽऽ ह! आऽऽऽ ह!
ये फुंकार तो दम घोंटू और जानलेवा है!

आऽऽऽह!
आऽऽऽह!
नागराज विष फुंकार का प्रयोग कर रहा है! लेकिन यह क्या ?... इस बार वह सतर्क है! उसने सिर्फ एक पल के लिए ही फुंकार का प्रयोग किया! मुझे फुंकार शक्ति की मेमोरी को खींच पाने का समय ही नहीं मिला!
शायद नागराज को आभास हो गया है कि मैं यहां पर मौजूद हूं!
नागराज को संभलकर जाले तोड़ पाने का मौका नहीं देना है! मक्कड़ाक के संभलने तक मैं इसको फुंकार का प्रयोग करने पर मजबूर करूंगा!
ओह! फिर से वार! यानी तू अभी तक बेहोश नहीं हुआ है, मक्कड़ाक!
पलभर के लिए फुंकार का प्रयोग फिर से करता हूं!
शंकुनाद को इसी पल का इंतजार था-
X: 2921.13
Y: 1391.78
TRANSFER ACTIVATED
ओफ! विष फुंकार भी गायब हो गई!
यानी अब यह पक्का हो गया है...
...कि शंकुनाद पास में ही है!
जासूस सर्पों के द्वारा अभी उसको ढूंढता हूं!...

शंकुनाद खुद भागने की फिराक में था-
मक्कड़ाक बेहोश हो चुका है, और नागराज को मेरे यहां पर होने का आभास हो चुका है! अब वह और शक्तियों का प्रयोग नहीं करेगा! इसलिए अब यहां पर रुकने का कोई मतलब नहीं है!
यहां से जाने के पहले सिर्फ एक ही काम बाकी है! मक्कड़ाक की मेमोरी को साफ करना! ताकि नागराज उसके जरिए सिस किलर तक न पहुंच सके!
ओहो! तो तू यहां पर ही है! यानी मक्कड़ाक को भेजना एक सोचे-समझे षड्यंत्र का ही एक हिस्सा है!
धड़ाक
बता! किसने बनाया है ये षड्यंत्र? किसका मोहरा है तू?
तू मेरा अब कुछ नहीं बिगाड़ सकता, नागराज! तेरी अधिकतर शक्तियां तो तेरे शरीर से पहले ही निकल चुकी हैं!
फिर भी मेरे पास तुझको मसलने लायक पर्याप्त शक्तियां हैं शंकुनाद!
तू मुझको डरा नहीं सकता, नागराज! दुनिया जानती है कि तू किसी की जान नहीं लेता!
ठीक कहा तूने! मैं जान नहीं लेता! पर ऐसी हालत जरूर कर देता हूं कि आदमी खुद मौत मांगने लगे!

मैं तेरी याददाश्त को साफ कर दूंगा! तू अपना नाम तक भूल जाएगा, शंकुनाद!
नहीं! नहीं!
ऐसा मत करना नागराज! क्योंकि सिर्फ मैं ही जानता हूं कि इस वक्त तुम्हारी खोई शक्तियां कहां पर हैं?...
...और फिर तुम यह भी कभी नहीं जान पाओगे कि यह षड्यंत्र किसका रचा हुआ है?
यह तो मैं किसी न किसी तरीके से जान ही लूंगा!
तुझे अगर अपनी याददाश्त बचानी है तो खुद बता दे!
तभी-
ध्वंसक सर्प! मेरे ध्वंसक सर्प! आऽऽऽह!
नागराज का दिमाग धीरे-धीरे अंधेरे में डूबने लगा-
यह सिर्फ उसकी इच्छाशक्ति ही थी जिसने उसको पूरा बेहोश होने से बचाए रखा था-
शंकुनाद भाग रहा है! मेमोरी ट्रांसफर यंत्र भी उसने उठा लिया है!...
...लेकिन...उसके साथ कोई और भी है! यह जरूर वही शख्स होगा, जिसके पास शंकुनाद ने मेरी शक्तियां ट्रांसफर की हैं!
मेरी शक्तियां धारण करने वाला शख्स मामूली नहीं हो सकता! कौन है ये?
और अब कहां ढूंढूंगा मैं इसको?
और कैसे वापस लूंगा अपनी शक्तियां!

Amaan
शक्तिहीन नागराज
थोड़ी देर बाद- महानगर के एक अंजान हिस्से में-
मैडम! मैडम! अभियान सफल रहा! मैंने नागराज की शक्तियां सफलता पूर्वक नागराबो के अन्दर स्थानांतरित कर दी हैं!
वाह! यानी... अब मेरे पास अपना एक नागराज तैयार है!
नागराज की पूरी शक्तियों के साथ! वाह!
ले! पकड़ शंकुनाद अपना रोकड़ा...
...और दिखा मुझे शक्तिहीन नागराज की लाश!
जाओ, और उसकी सारी शक्तियां चूसकर आओ!
यह अब असंभव है, मिस किलर! नागराज हमारी योजना को समझ चुका है! अब वह अपनी शक्तियों का प्रयोग इतनी आसानी से नहीं करेगा!
लाश! वो तो नहीं ला पाए, मैडम!
क्यों? क्यों नहीं कुचल डाला तूने उस सांप को?
क्योंकि कुछ शक्तियां उसमें अभी भी बची हुई हैं! मैं सारी शक्तियां नहीं खींच पाया!
मूर्ख! नागराज बगैर शक्तियों के भी एटम बम से ज्यादा खतरनाक है!
तो फिर उसको मजबूर करना पड़ेगा कि वह अपनी बची शक्तियों का प्रयोग करे!
और ऐसा करने के लिए उसको मजबूर करेगा मेरा पालतू नागराज! नागराबो!
41

नागराज, स्थिति को समझ नहीं पा रहा था-
नहीं, नागराज! तुम्हारी शक्तियों का पता लगाने में मेरा ज्योतिष ज्ञान कोई मदद नहीं कर सकता है।
दादाजी! दादाजी! नागराज को न जाने क्या हो गया है! अभी-अभी खबर आई है कि 'किंग्ज सर्कल' पर वह विषफुंकार के जरिए लोगों को बेहोश कर रहा है!
मेरे जासूस सर्प भी शंकुनाद का पता नहीं लगा पा रहे हैं! और सक्कडाक की याददाश्त भी गायब हो चुकी है। कोई रास्ता ही नहीं सूझ रहा।
लेकिन नागराज तो यहां पर है मेरे पास!
ओ माई गॉड! फिर वो कौन है जो नागराज जैसी विषफुंकार छोड़ रहा है?
मेरे जैसी नहीं, वह मेरी ही विषफुंकार छोड़ रहा है!
मुझे बहुत संभलकर अपने दुश्मन के सामने जाना होगा! पूरी योजना बनाकर! क्योंकि मुझे अपनी शक्तियां वापस लेने का कोई दूसरा मौका नहीं मिलेगा!

अभी कुछ दिनों पहले जब मेरा शरीर और मेरी शक्तियां दो भागों में बंट गई थी, तो ध्रुव ने मेरे शरीर और शक्तियों को एक होने में मदद की थी! ●

लेकिन इस बार तो मेरी शक्तियां बंटी नहीं, बल्कि छिन गई हैं! और उनको वापस लेने के लिए मुझको जान पर खेलना होगा! क्योंकि फिलहाल मेरे पास कुछ ही शक्तियां बची हैं! और वह भी मामूली सी!

ओह! वह रहा, जिसके पास मेरी शक्तियां हैं!

और अगर यह यहां पर है तो शंकुनाद भी आस-पास ही होगा!... क्योंकि इसके ऐसे खुलेआम हमला करने का मकसद सिर्फ एक ही हो सकता है! मुझे अपनी बची शक्तियों का प्रयोग करने पर मजबूर करना! ताकि शंकुनाद उनको भी इस शख्स में स्थानांतरित कर सके!

पहले शंकुनाद को ढूंढना होगा!

और इसी वक्त- वहां से दूर-

इस बार मैं शंकुनाद की जानकारी पर निर्भर रहना नहीं चाहती! मुझे सब कुछ अपनी आंखों से देखना है!

और इसलिए मैंने नागराज और शंकुनाद के पीछे अपना फ्लाईंग कैमरा भी लगा दिया है!

मिस किलर को टकराव देखने के लिए ज्यादा देर तक इंतजार नहीं करना पड़ा-
रुक जा! और मेरी फुंकार को मुझे वापस दे दे!
मेरी बाकी शक्तियों के साथ!
नागराज! तो... तो फिर विष फुंकार छोड़ने वाला कौन है?

ये... ये तो एक रोबॉट है! एक और मशीन!
हां, मशीन! लेकिन इस मशीन का नाम भी है! नागराज!
लेकिन यह असंभव है! ये कैसे हो सकता है? एक रोबॉट, विष और सांप कैसे पैदा कर सकता है! उसके अन्दर तो सिर्फ धातु और प्लास्टिक भरा होता है!
फ़ूऊऊऊ
यहीं तू गलत बोल रहा है, नागराज! मेरे मशीनी शरीर में वे सारे रसायन भरे हुए हैं, जो इंसानी शरीर में मौजूद होते हैं! और मेरे मशीनी दिमाग के संकेत उनमें वह प्रतिक्रिया करा रहे हैं, जिनसे ये विष और सांप पैदा हो रहे हैं!
तड़ाक
ओह! मेरी शक्तियों को कोई इन्सानी शरीर तो धारण कर ही नहीं सकता था! इसीलिए मेरी शक्तियां मशीनी शरीर में ट्रांसफर की गई हैं!

हा हा हा! नागराज चकित हो गया है! और तब तो उसकी आँखें ही फट पड़ेंगी, जब उसको पता चलेगा कि यह मिस किलर का काम है!...
... उसकी आँखें फटती देखने के लिए ही मैंने नागराबो में खास आदेश भरा है कि वह नागराज को बेहोश करके यहां लाए! मेरे सामने!...
... ताकि मैं अपने हाथों से उसको मारने का सुख प्राप्त कर सकूं!
शंकुनाद भी अपने काम पर जुटा हुआ था-
अपनी शक्तियों का प्रयोग कर! जल्दी कर! ताकि मैं उनको ट्रांसफर कर सकूं!
और नागराज भी एक हारती हुई बाजी को पलटने की कोशिश कर रहा था-
त टा क्
मैं तेरे मशीनी दिमाग को तोड़ दूंगा, नागराबो! फिर तेरे दिमाग में भरी शक्तियां शायद अपने-आप मेरे पास लौट आएंगी!

मेरा सिर इस गुदगुदे सर्प गोले से नहीं टूटने वाला नागराज! मेरा सिर उस धातु का बना है, जिससे अंतरिक्ष शटल बनाई जाती है!
तू अपने सिर की फिक्र कर! जो शायद तेरे ही ध्वंसक सर्पों से न बच पाए!
मेरे सिर की रक्षा मेरा इच्छाधारी शक्ति कवच करता है, नागराबो!
अब मैं तुझ पर सर्प सेना का ऐसा खतरनाक वार करूंगा कि... अरे!
सर्प सेना बाहर क्यों नहीं आ रही है! क्या... क्या मेरी ये शक्ति भी चली गई है!
हा हा हा! हां, नागराज! तू अपनी शक्तियों का प्रयोग करता रह और उनको खोता रह!
और जब तेरी सारी शक्तियां नागराबो में ट्रांसफर हो जाएंगी तब तुझे यहां लाया जाएगा मेरे सामने! ताकि तू पहले अपने आपको मारने वाले की शक्ल देख सके, और फिर तड़प-तड़पकर मर सके!
ओह! ये...
ये क्या हो गया है नागराज को! उसकी सारी शक्तियां इस रोबॉट में चली गई हैं!

मेरी सारी शक्तियां एक-एक करके तूने चुराई हैं नागराज! और चोरों पर नागराज कोई रहम नहीं करता! तोड़ दूंगा मैं तेरे सारे शरीर को!
नागराज के वार में ताकत जरूर थी-
लेकिन सर्प शक्ति के सामने शारीरिक शक्ति बेकार थी-
सर्प रस्सी!
ओह! अब तो इच्छाधारी शक्ति का प्रयोग करना ही होगा! वर्ना जान नहीं बचेगी!
हा हा हा! मुझे नागराज की यह शक्ति नहीं चुरानी है! ऐसा मुझको आदेश दिया गया है!
नागराज को इच्छाधारी कणों में बदलने से कोई फायदा नहीं हुआ-
ओह! सर्प रस्सी भी मेरे साथ-साथ ही कणों में बदल गई! मैं तो भूल ही गया था कि ये मेरे जैसे ही हैं! जो मेरे शरीर में रहते हैं, और मेरे साथ-साथ ही कणों में बदल जाते हैं!
नागराज को असली रूप में आना ही पड़ा! और-

ओह! नागराज की सारी शक्तियां चली गई हैं, और इस राक्षस ने उसको बेहोश कर दिया है!
अब हमको इससे कौन बचाएगा?
फिलहाल तो भागो!
हा हा हा! भागोगे कहां? अब तो हम दुनिया के राजा हैं! हम वापस आएंगे!
और तुम सब हमारे गुलाम बनोगे! तुम्हारी याददाश्त में सिर्फ एक ही लफ्ज बचेगा ...
... गुलामी!
अब चलो नागराबो!
और थोड़ी ही देर बाद-
हहा हा हा! मैंने अपने सारे पंजे तेज करके रखे हैं! धीरे- धीरे उधेडूंगी नागराज का शरीर!
और सुनूंगी उसकी चीखें! उनको टेप भी कर लूंगी!
पंजा, गर्दन में घुसते ही इसको अपने-आप होश आ जाएगा!

आहा! होश में आ गया तू, नागराज! देख, गौर से देख!
मिस किलर!
अरे! अरे! यह क्या? तेरे शरीर में अभी भी सांप हैं! और... और वे बाहर भी निकल रहे हैं! पर कैसे?
हां! मैं ही हूं, जिसने तेरी शक्तियां छीनकर नागराबो में भरी हैं! और अब मैं तेरी खाल उधेड़कर उसमें भूसा भरूंगी! और तू चीखेगा! गला फाड़कर चीखेगा! चीख!
सोचो, मिस किलर! शक्तियां चुराना तुम्हारा प्लान था, मेरा नहीं!
तू... तू आजाद भी हो गया, अभी भी तेरे शरीर में शक्ति है!
नागराबो! इसको रोको! खत्म कर दो इसे विष फुंकार छोड़कर! ध्वंसक सर्प दागकर इसके चिथड़े-चिथड़े कर दो! मार डालो इसे!

ये तुम्हारे आदेश का पालन जरूर करता, मिस किलर...
…लेकिन तब जब इसके पास मेरी नाग शक्तियां होतीं!
ये... ये मजाक है! ध्वंसक सर्पतो नागराज के पास थे!
तुम्हारे पास ये कैसे आए?
यह सब तेरा किया धरा है, शंकुनाद! तूने धोखा दिया है मुझको! तू नागराज से मिल गया है!
यह सच कह रहा है, मिस किलर! इसको सचमुच कुछ पता नहीं है!
कसम ले लो, मैडम! मैं खुद नहीं जानता कि यह गोलमाल हुआ कैसे?

दरअसल जब मैं नागराबो से मिलने के लिए महानगर के 'किंग्ज-सर्कल की तरफ बढ़ रहा था, तो साथ-साथ अपनी बची हुई शक्तियों को याद करके उन पर आधारित योजना भी तैयार करता जा रहा था!
और उसी योजना के अनुसार मैं किंग्ज सर्कल पर पहुंचकर...
"...पहले शंकुनाद की तलाश करने लगा! क्योंकि मुझे पूरा आभास था कि यह तबाही मेरी बाकी शक्तियों को चुराने के लिए ही फैलाई जा रही है! और शक्तियों को चुराने के लिए शंकुनाद का वहां पर होना अनिवार्य था-"
"सम्मोहन की शक्ति अभी भी मेरे पास थी"
"असावधान शंकुनाद पलभर में मेरे सम्मोहन में बंध चुका था-"
"पहले तो मैं शंकुनाद को सीधे-सीधे ही नागराबो में स्थित शक्तियों को वापस अपने अंदर स्थानांतरित करने का आदेश देने जा रहा था! पर तभी मेरी नजर उस उड़ते हुए 'टेली कैमरे' पर पड़ी, जो शायद तुमने भेजा था, स्थिति पर नजर रखने के लिए-"
और यह काम पूरा करने के बाद, मेरे सम्मोहन आदेश के अनुसार शंकुनाद के दिमाग से यह सारी जानकारी मिट गई, और यह मुझको यहां तक ले आया! तुम्हारे पास!
"मेरा एक मकसद तुम तक पहुंचना भी था! इसीलिए मुझे योजना को बदलना पड़ा-"
"मैं नागराबो से ऐसे टकराने लगा, जैसे वह मेरी शक्तियां छीन रहा हो! पर सच्चाई तो यह थी कि सम्मोहित शंकुनाद उसकी शक्तियों को वापस मेरे शरीर में पहुंचा रहा था-

तू एक बात भूल गया नागराज कि शकुनाद के पास अभी भी 'मेमोरी ट्रांसफर गैजेट' है! वह तेरी शक्तियों को दोबारा खींचकर नागराबो के मशीनी दिमाग में भर सकता है!
अभी खींच लूंगा मैं इसकी सारी शक्तियां!
शकुनाद, खींच ले इसकी सारी शक्तियां! इस बार तो तू जानता ही होगा कि इसके दिमाग में शक्तियों के केन्द्र कहां-कहां पर हैं!
मैंने तुम्हारी योजना पूरी तरह से विफल कर दी है मिस किलर! अब आत्म-समर्पण कर दो, वर्ना मुझको एक स्त्री पर वार करने के लिए विवश होना पड़ेगा!
तू ऐसा कर ही नहीं सकता शकुनाद! क्योंकि मेरे सम्मोहन का एक आदेश यह भी था कि तू कभी इस यंत्र का प्रयोग नहीं करेगा!
जरूर करूंगी! करना ही पड़ेगा! लेकिन पहले इस शकुनाद को इसकी गलती का दंड दूंगी!
सच में! अब मैं इस यंत्र में मानसिक ऊर्जा को दौड़ा नहीं पा रहा हूं!

Amaan
तुमने बेचारे शंकुनाद को उस केबिन में बन्द कर दिया! क्या है उस केबिन में?
उसके लिए यह अंजाम मैंने बहुत पहले से सोच रखा था! वैसे भी तुम शंकुनाद की परवाह क्यों कर रहे हो?
क्या होगा शंकुनाद का?
गिरफ्तार कर लो मुझे! और ले चलो जेल में!
सर्प हथकड़ी, मिस किलर की कलाइयों पर कस गई-
लेकिन ज्यादा देर तक सलामत नहीं रह पाई-
य... यह क्या? सर्प हथकड़ी जल कैसे गई?
ऐसे!
ओह! यह जलता हुआ हाथ तो उसी केबिन से निकल रहा है, जिसमें शंकुनाद बन्द हो गया था!

सिर्फ हाथ ही नहीं, पूरा शंकुनाद निकल रहा है, नागराज! जो अब बन चुका है तेरी मौत! अब तू इसको शंकुनाद नहीं, भस्मार नाम से बुला!
तुम इन्सान नहीं, हैवान हो मिस किलर! यह क्या हाल बना दिया है तुमने शंकुनाद का?
'मेमोरी ट्रांसफर गैजेट की खबर मिलने से पहले ही मैंने इसका ये अंजाम सोच लिया था, नागराज! इस केबिन ने इसके शरीर पर मिश्रित धातु की पर्त चढ़ा दी है, और इसकी मानसिक ऊर्जा को ऊष्मा ऊर्जा में बदल दिया है!
ये एक ऐसी भट्ठी बन गया है, जिसका ईंधन इसके विचार हैं! इसकी सोच हैं!

ओह! और इस शक्ति की काट मेरे पास शायद नहीं है! आऽऽऽ ह!
मेरी फुंकार मुझे बचा सकती है!
हा हा हा! जल, नागराज जल! भस्म हो जा भस्मार के हाथों!
मेरी विष फुंकार इसके शरीर का संपर्क वायुमंडल की ऑक्सीजन से काट देगी जब इसको ऑक्सीजन मिलेगी ही नहीं, तो ये जलेगा कैसे?
लेकिन-
ओह! विष फुंकार तो संपर्क काटने के बजाय खुद ही जलकर नष्ट हो गई!

अब सिर्फ इच्छाधारी शक्ति का ही सहारा है! और वह भी मुझे सिर्फ बचा सकती है!
इच्छाधारी शक्ति के जरिए मैं हमला नहीं कर सकता! फिर क्या करूं?
ये धातु की मशीनें! इसके शरीर से टकराकर ये धातु पिघलेगी, और इसके ऊपर एक खोल बन जाएगा! वह खोल इसका संपर्क ऑक्सीजन से काट देगा!
लेकिन नागराज की यह योजना भी नाकामयाब रही-
ओह! खोल तभी बन सकता है जब ये धातु सूखकर कड़ी हो! शंकुनाद यानी भस्मार का ताप इस धातु को ठोस होने ही नहीं देगा!
चूहे-बिल्ली का खेल खत्म हो गया है, नागराज! अब फटाफट मर ले, और साथ ही साथ अपनी चिता भी जलवा ले, फ्री में!
ओ! नागराबो के कटे मशीनी सिर के सर्किटों में अभी भी करेंट दौड़ रहा है! तब तो मेरा काम शायद बन सकता है!
भस्मार को मैं उसके ही हथियार से खत्म करूंगा!

Amaan
ओह! तू मेमोरी ट्रांसफर यंत्र का प्रयोग करके भस्मार को रोकना चाहता है! इसके बारे में तो मैं भूल ही गई थी! लेकिन कोई बात नहीं! भस्मार की मेमोरी तुझको कहीं न कहीं तो ट्रांसफर करनी ही पड़ेगी! मेरे सर के कवच के कारण तू मेरे दिमाग तक तो पहुंच पाएगा नहीं! अब बचा तेरा दिमाग!
चाहे तो उसमें भस्मार की सुलगती मेमोरी को ट्रांसफर कर ले, और उड़ा ले चिथड़े अपने सर के!
एक सर और है मिस किलर! नागराबो का टूटा हुआ सर! उसके सर्किटों में अभी भी ऊर्जा है! मैं शंकुनाद उर्फ भस्मार की मानसिक शक्ति को उसमें ट्रांसफर कर रहा हूं!
शंकुनाद उर्फ भस्मार की मेमोरी ट्रांसफर होते ही पहले तो नागराबो का सिर चिथड़ों में बंट गया-
POWER ON
TRANSFER ACTIVATED
MIND POWER HEAT
X: 1292.04
Y: 3215.25
Z: 0522.71
तड़ाऽऽक
और फिर शंकुनाद का दिमाग बेहोशी में डूबता चला गया-

तुम्हारे सारे वार विफल रहे मिस किलर! अभी भी कोई वार बाकी हो तो उसको करके देख लो! उसके बाद ही मैं तुमको कानून के हवाले करूंगा!
तुझे तो मैं मारूंगी ही मारूंगी... नागराज!
हर कीमत पर मारूंगी!
ओह! मिस किलर ने अपने आपको भी उसी चेंबर में बन्द कर लिया है! अब ये न जाने क्या बनकर बाहर निकलेगी!
मुझे इसके बाहर निकलने का इंतजार करना होगा!
लेकिन-
ओफ्! लगभग पांच मिनट बीत चुके हैं! मिस किलर आखिर बाहर क्यों नहीं निकलती! अब मैं और इंतजार नहीं कर सकता! मैं खुद उसको बाहर निकलने के लिए मजबूर करूंगा!
नागराज को एक पल में ही जवाब मिल गया-
ओह! मिस किलर ने मुझको धोखा दिया!
इस केबिन के पीछे की दीवार सरकने वाली है! मिस किलर इस रास्ते से भाग गई है!
लेकिन मैं मिस किलर को अच्छी तरह से जानता हूं! वह वापस आएगी! जल्दी ही आएगी और पूरी तैयारी के साथ आएगी!
इस बार वह सिर्फ नागराज से टकराने के लिए ही आएगी! और मुझे अगर जिन्दा रहना है तो सावधान रहना होगा!

समाप्त.